नामांक Roll No.

No. of Questions – **26**

No. of Printed Pages – **7**

SS-21-Hindi Sah.

हिन्दी साहित्य

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2020

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों में आंतरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

(5) उत्तर यथासम्भव निर्धारित शब्द–सीमा में ही सुपाठ्य लिखें ।

खण्ड – अ

1. 'नई कविता' की परिभाषा एवं उसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (उत्तर सीमा **80** शब्द) **4**

2. आधुनिक काल के 'द्विवेदी युग' की उपन्यास विकास यात्रा पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

   (उत्तर सीमा **80** शब्द) **4**

3. 'जीवनी' एवं 'आत्मकथा' विधा की परिभाषा एवं अन्तर स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा **80** शब्द) **4**

4. 'भारतेन्दु युग' के प्रमुख कवि एवं उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए। (उत्तर सीमा **80** शब्द) **4**

खण्ड – ब

5. 'माधुर्य' गुण की परिभाषा लिखिए। (उत्तर सीमा **10** शब्द) **1**

6. 'अक्रमत्व' और 'दुष्क्रमत्व' में अन्तर लिखिए। (उत्तर सीमा **10** शब्द) **1**

7. 'हरिगीतिका' छंद की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

8. ‘द्रुतविलम्बित’ छंद की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

9. ‘अन्योक्ति’ अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। (उत्तर सीमा **80** शब्द) **4**

10. ‘विभावना’ अलंकार को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा **80** शब्द) **4**

खण्ड – स

11. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

भारत में विभिन्न जातियों के पारस्परिक सम्पर्क में आने से संस्कृति की समस्या कुछ जटिल हो गई। पुराने जमाने में द्रविड़ और आर्य संस्कृति का समन्वय बहुत रीति से हो गया था। इस समय मुस्लिम और अंग्रेजी संस्कृति का मेल हुआ है। हम इन संस्कृतियों से अछूते नहीं रह सकते हैं। भारतीय संस्कृति की समन्वयशीलता यहाँ भी अपेक्षित है किन्तु समन्वय में अपना न खो बैठना चाहिए। दूसरी संस्कृतियों के जो अंग हमारी संस्कृति में अविरोध रूप से अपनाएँ जा सकें उनके द्वारा अपनी संस्कृति को सम्पन्न बनाना आपत्तिजनक नहीं।

अथवा

पीतल की मूर्ति में कभी वह बात आ नहीं सकती जो पत्थर में होती है। देवी की मूर्ति को देखते-देखते प्रोफेसर साहब के हृदय की स्पंदन-गति तीव्र होने लगी – इतनी सुन्दर जो थी वह। वे फिर आगे बढ़कर उसे उठाने को हुए लेकिन फिर उन्होंने बाहर झाँककर देखा, पर वहाँ कोई नहीं था, कोई आता ही नहीं उस बिचारे उजड़े हुए मन्दिर के पास – किसे परवाह थी निर्जन को अपनी दीप्ति से जगमग करती हुई उस देवी की। देवी के प्रति दया और सहानुभूति से गद्‌गद होकर प्रोफेसर साहब भीतर आए।

12. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी **एक** पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

विधि के कमंडल की सिद्धि है प्रसिद्ध यही,
 हरि-पद पंकज-प्रताप की लहर है ।
कहै 'पदमाकर' गिरीस – सीस मंडल के,
 मंडल की माल ततकाल अघहर है ।
भूपति भगीरथ के रथ की सुपुण्य पथ
 जन्हु जप जोग फल फैल की फहर है ।

अथवा

नहीं समझ पाया था मैं उसके महत्त्व को,
बचपन में निज स्वार्थ लोभवश पैसे बोकर ।
रत्न-प्रसविनी है वसुधा अब समझ सका हूँ ।
इसमें सच्ची ममता के दाने बोने हैं ।
इसमें जन की क्षमता के दाने बोने हैं
इसमें मानवता ममता के दाने बोने हैं

13. कबीर के दोहों के आधार पर गुरु का महत्त्व अपने शब्दों में लिखिए। (उत्तर सीमा **80** शब्द) **4**

अथवा

"'मिठाईवाला' कहानी बाल मनोविज्ञान के विविध कोणों को स्पष्ट करती है।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(उत्तर सीमा **80** शब्द)

14. "दिनकर के काव्य में एक सामाजिक चेतना हमेशा विद्यमान रही है।" 'कुरुक्षेत्र' पाठ के आधार पर विवेचना कीजिए। (उत्तर सीमा **80** शब्द) **4**

अथवा

'विश्व के किसी भी देश के पास ऐसी भूमि और संसाधन नहीं हैं।' इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(उत्तर सीमा **80** शब्द)

15. 'खुद लापरवाह हो, दोष उल्टे मुझे देते हो।' जैनेन्द्र कुमार के इस कथन को समझाइए। (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

16. 'तुलसीदास भारत के श्रेष्ठ भक्त कवि हैं।' इसको स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

17. 'काज परै कछु और है, काज सरै कछु और।' इस पंक्ति का भावार्थ समझाइए। (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

18. 'गौरव–सी काया पड़ी माया है प्रताप की।' इस काव्य पंक्ति का आशय लिखिए। (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

19. कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' **अथवा** लेखिका महादेवी वर्मा के कृतित्व और व्यक्तित्व पर अपने विचार अभिव्यंजित कीजिए। (उत्तर सीमा **40** शब्द) **2**

20. 'बरन-बरन तरु फूले उपवन बन।' इस काव्य पंक्ति को समझाइए। (उत्तर सीमा **40** शब्द) **2**

21. 'भारत की भाषा सामान्य होते हुए भी विशेष क्षमता रखती है।' निबंधकार हरिशंकर परसाई के इस कथन को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा **40** शब्द) **2**

खण्ड – द

22. 'माता अपने सब पुत्रों को समान भाव से चाहती है।' इस कथन को 'राष्ट्र का स्वरूप' निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा **80** शब्द) **4**

अथवा

'पोर्ट ब्लेयर में लघु भारत के दर्शन होते हैं।' इस कथन को डॉ. देव कोठारी के अनुसार समझाइए। (उत्तर सीमा **80** शब्द)

23. 'निर्वासित' कहानी के मूलभाव को स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

24. 'जन्म-मरण की कठिन समस्या है।' इस उक्ति का स्वामी विवेकानंद के अनुसार तात्पर्य समझाइए। (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

25. 'प्राणियों में जैसे रक्त संचार होता है, वैसे ही पेड़–पौधों में रस संचार होता है ।' लेखक परमहंस योगानंद के अनुसार इस कथन का आशय समझाइए । (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**

26. 'अब गुलाब गेहूँ पर विजय प्राप्त करे ।' इस कथन में निहित भाव की व्यंजना कीजिए । (उत्तर सीमा **60** शब्द) **3**